01 JUNE 2021

# PT CARD

संस्कृति IAS

## युवा (युवा, आगामी और बहुमुखी लेखक) योजना
## YUVA (Young, Upcoming and Versatile Authors) Scheme

- शिक्षा मंत्रालय ने युवा एवं नवोदित लेखकों (30 वर्ष से कम आयु) को प्रशिक्षित करने के लिये 'युवा' लेखक परामर्श कार्यक्रम की शुरुआत की है। यह भारत के **स्वतंत्रता संग्राम के संबंध में लेखन हेतु युवा लेखकों को प्रोत्साहित करने के प्रधानमंत्री के दृष्टिकोण के अनुरूप** है।
- इस योजना को 'भारत@75 परियोजना' (आज़ादी का अमृत महोत्सव) के एक भाग के रूप में प्रारंभ किया गया है। इसका उद्देश्य **गुमनाम नायकों, स्वतंत्रता सेनानियों, अज्ञात एवं भूले हुए स्थानों, राष्ट्रीय आंदोलन में उनकी भूमिका** तथा अन्य संबंधित विषयों पर लेखकों की युवा पीढ़ी के दृष्टिकोण को अभिनव एवं रचनात्मक तरीके से सामने लाना है।
- शिक्षा मंत्रालय के अंतर्गत **'राष्ट्रीय पुस्तक न्यास' (NBT) कार्यान्वयन एजेंसी के रूप में इस योजना के चरणवार निष्पादन को सुनिश्चित करेगा** तथा पुस्तकों का प्रकाशन करेगा। भारतीय संस्कृति व साहित्य के आदान-प्रदान को सुनिश्चित करने के लिये इन पुस्तकों का अन्य भाषाओं में अनुवाद भी किया जाएगा, जिससे 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' को बढ़ावा मिलेगा।
- इस योजना के तहत एक अखिल भारतीय प्रतियोगिता के माध्यम से कुल 75 लेखकों का चयन किया जाएगा, जिन्हें प्रख्यात लेखकों/संरक्षकों द्वारा प्रशिक्षित किया जाएगा। चयनित लेखकों को छह महीने की अवधि के लिये प्रति माह 50,000 रुपए की समेकित छात्रवृत्ति का भुगतान किया जाएगा।

संस्कृति IAS
प्रथम एवं द्वितीय बैच फुल | तृतीय बैच में नामांकन जारी | 7428085757/58

02 JUNE 2021

# PT CARD

संस्कृति IAS

## एक राष्ट्र एक मानक अभियान (One Nation One Standard Mission)

- भारतीय राष्ट्रीय मानक ब्यूरो (BIS) ने सरकार के **'एक राष्ट्र एक मानक' के दृष्टिकोण को प्राप्त करने के लिये 'मानक विकास संगठन' को मान्यता प्रदान करने की एक योजना** प्रारंभ की है।
- इस योजना के माध्यम से बी.आई.एस. का लक्ष्य **देश के विभिन्न संगठनों में मानक विकास कार्य में संलग्न मौजूदा क्षमताओं तथा समर्पित डोमेन विशिष्ट विशेषज्ञता को समेकित और एकीकृत करना** है। इसका उद्देश्य 'एक विषय के लिये एक राष्ट्रीय मानक' प्रदान करने के लिये देश में सभी मानक विकास गतिविधियों के अभिसरण को सक्षम बनाना है।
- उपभोक्ता मामलों के विभाग के अंतर्गत भारतीय रेलवे के संस्थान **'अनुसंधान अभिकल्प एवं मानक संगठन' लखनऊ को इस अभियान के तहत बी.आई.एस. का पहला 'मानक विकास संगठन' घोषित** किया गया है।
- 'अनुसंधान अभिकल्प एवं मानक संगठन' लखनऊ रेल मंत्रालय का एकमात्र अनुसंधान विंग है। यह देश के प्रमुख मानक निर्धारक संस्थानों मे से एक है तथा **भारतीय रेलवे के मानक निर्धारण का कार्य** करता है।

प्रथम एवं द्वितीय बैच फुल | तृतीय बैच में नामांकन जारी | 7428085757/58

03 JUNE 2021

# PT CARD

संस्कृति IAS

## लिटोरिया मीरा (LITORIA MIRA)

- 'लिटोरिया मीरा' **न्यू गिनी के वर्षावनों में खोजी गई मेंढक की एक प्रजाति** है, जो अपने कोको रंग के कारण चॉकलेट से बनी हुई प्रतीत होती है। इसका नाम लैटिन विशेषण 'मिरम' से प्रेरित है, जिसका अर्थ आश्चर्य या अजीब होता है।
- 'लिटोरिया मीरा' को इसके अद्वितीय संयोजन जैसे- मध्यम से बड़े आकार, हाथों पर जालीदार आकृति, अपेक्षाकृत छोटे व मज़बूत अंगों तथा आँखों के किनारे त्वचा पर बैंगनी रंग के छोटे धब्बों के कारण **लिटोरिया वर्ग के अन्य मेढकों से पृथक** माना जाता है।
- 'लिटोरिया मीरा' की त्वचा के रंग को छोड़कर यह **ऑस्ट्रेलिया के 'ग्रीन ट्री फ्रॉग' के समान प्रतीत** होता है, जिसे 'लिटोरिया सेरुलियन' के नाम से जाना जाता है। इनके मध्य समानता का कारण तृतीयक युग (2.6 मिलियन वर्ष पूर्व) में ऑस्ट्रेलिया तथा न्यू गिनी भूमि का एक साथ जुड़े होना था, जो कई जैविक तत्त्वों को साझा करते थे।
- ध्यातव्य है कि **टोरेस जलडमरूमध्य ऑस्ट्रेलिया के क्वींसलैंड तथा न्यू गिनी द्वीप को अलग करता** है। न्यू गिनी में वर्षावनों तथा उत्तरी ऑस्ट्रेलिया में सवाना घास के मैदान प्रमुख रूप से पाए जाते हैं।

संस्कृति IAS

प्रथम एवं द्वितीय बैच फुल | तृतीय बैच में नामांकन जारी | 7428085757/58

04 JUNE 2021

# PT CARD

संस्कृति IAS

## ‘बागवानी क्लस्टर विकास कार्यक्रम’
## (Horticulture Cluster Development Programme)

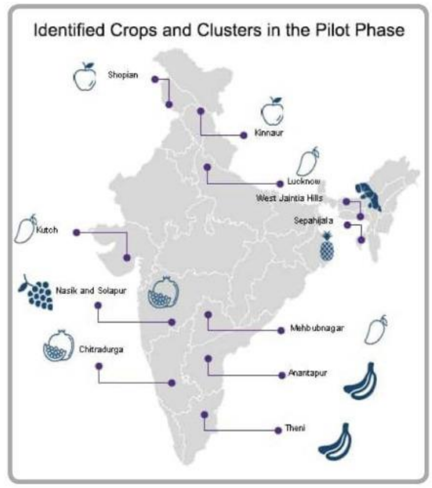


- कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय ने बागवानी के समग्र विकास को सुनिश्चित करने के लिये ‘बागवानी क्लस्टर विकास कार्यक्रम’ की शुरूआत की है। यह एक केंद्रीय क्षेत्रक कार्यक्रम है।
- इसे प्रायोगिक चरण में 11 राज्यों व केंद्र शासित प्रदेशों के चुने गए कुल 53 बागवानी क्लस्टरों में से 12 में लागू किया जाएगा। इसे कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय के **‘राष्ट्रीय बागवानी बोर्ड’ के द्वारा कार्यान्वित** किया जाएगा। **इसका उद्देश्य वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी बनाने के लिये पहचान किये गए बागवानी समूहों को विकसित करना है।**
- **यह कार्यक्रम भारतीय बागवानी क्षेत्र से संबंधित सभी प्रमुख मुद्दों पर ध्यान देगा, जिसमें पूर्व-उत्पादन, उत्पादन, कटाई पश्चात् प्रबंधन, रसद, विपणन तथा ब्रांडिंग शामिल हैं।** इसे भौगोलिक विशेषज्ञता का लाभ उठाने के साथ-साथ एकीकृत बागवानी समूहों एवं बाज़ार आधारित विकास को बढ़ावा देने के लिये डिज़ाइन किया गया है।
- इस कार्यक्रम से लगभग 10 लाख किसानों तथा मूल्य श्रृंखला के जुड़े हुए हितधारकों को लाभ होगा। सभी 53 क्लस्टरों में इसके लागू होने पर इसमें 10,000 करोड़ रुपये के निवेश को आकर्षित करने की उम्मीद है।


प्रथम एवं द्वितीय बैच फुल | तृतीय बैच में नामांकन जारी | 7428085757/58

05 JUNE 2021

# PT CARD

संस्कृति IAS

## सीनियर केयर एजिंग ग्रोथ इंजन कार्यक्रम और पोर्टल
## (Senior Care Aging Growth Engine Initiative and Portal)

- सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय ने वरिष्ठ व्यक्तियों को समर्थन प्रदान करने के लिये 'सीनियर केयर एजिंग ग्रोथ इंजन' (SAGE) पहल तथा पोर्टल का शुभारंभ किया है। इसका उद्देश्य **वरिष्ठ नागरिकों को सेवाएँ मुहैया कराने संबंधी क्षेत्र में रुचि रखने वाले उद्यमियों को सहयोग प्रदान करना** है।
- सेज पोर्टल विश्वसनीय स्टार्टअप्स के माध्यम से **वरिष्ठ नागरिकों की देखरेख में उपयोगी उत्पादों तथा सेवाओं को प्रदान करने वाला 'वन-स्टॉप एक्सेस'** होगा। इस पर 5 जून, 2021 से आवेदन की सुविधा प्रारंभ कर दी गई है।
- स्टार्ट-अप का चयन नवीन उत्पादों व सेवाओं के आधार पर किया जाएगा। इन स्टार्टअप को वित्त, खाद्य, पूँजी प्रबंधन, विधिक परामर्श एवं उनसे जुड़ी तकनीकी सेवाएँ देने के अतिरिक्त स्वास्थ्य, आवास, देखरेख केंद्र आदि क्षेत्रों में सेवा प्रदान करने में सक्षम होना चाहिये।
- भारत में बढ़ रही बुजुर्ग आबादी के लिये अधिक मज़बूत बुजुर्ग देखभाल परिवेश के निर्माण की तत्काल आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए रजत अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने के लिये 100 करोड़ रुपए की राशि आवंटित की गई है। प्रत्येक चयनित स्टार्ट-अप को एकमुश्त इक्विटी के रूप में एक करोड़ रुपए तक की धनराशि दी जाएगी।
- वित्त वर्ष 2021-22 में सेज परियोजना के लिये 25 करोड़ रुपए का आवंटन किया गया है। इससे पूर्व **वर्ष 2016 में वरिष्ठ नागरिक कल्याण कोष शुरू** किया गया था।

संस्कृति IAS

प्रथम एवं द्वितीय बैच फुल | तृतीय बैच में नामांकन जारी | 7428085757/58

## एंटी-हेल गन (Anti-Hail Gun)

- **एंटी-हेल गन एक ऐसी मशीन है, जो आघात तरंगें (Shock Waves) उत्पन्न कर आकाश में ओलों के विकास को बाधित करने में सक्षम है।** लंबे, स्थिर ढाँचे वाली यह मशीन कुछ मीटर ऊँचे उल्टे टावर के समान दिखाई देती है। इसमें एक शंक्वाकार लंबी तथा संकीर्ण नली लगी होती है, जिसका मुख आकाश की ओर होता है।
- **इसके निचले कक्ष में एसिटिलीन गैस एवं वायु का विस्फोटक मिश्रण भरा होता है,** जो बंदूक को दागे जाने पर आघात तरंगें उत्पन्न करता है। ये तरंगें आकाश में उपस्थित जल की बूँदों को ओले में परिवर्तित होने से रोकती हैं, जिसके परिणामस्वरूप जल बूँदों के रूप में ही पृथ्वी पर गिरता है तथा ओलावृष्टी को रोकने में मदद मिलती है। इन **आघात तरंगों की गति सुपरसोनिक विमान से निकलने वाली तरंगों के समान ध्वनि की गति से भी तेज़ होती है।**
- हिमाचल प्रदेश सरकार, ओलावृष्टि के कारण फसल को होने वाले नुकसान का सामना कर रहे बागवानों की मदद के लिये स्वदेशी रूप से विकसित 'एंटी-हेल गन' के उपयोग का परीक्षण करेगी। हिमाचल प्रदेश में प्रत्येक वर्ष मार्च से मई तक होने वाली लगातार ओलावृष्टि से सेब, नाशपाती जैसी फसलें नष्ट हो जाती है, जिससे बागवानों को भारी क्षति होती है।
- ओलों (Hails) का निर्माण 'कपासी वर्षा मेघों' (Cumulonimbus Clouds) द्वारा होता है, जो काले विस्तृत बादल होतें हैं एवं विद्युत गर्जन का कारण बनते है। इन बादलों में उपस्थित हवा जल की बूँदों को उनके बर्फ के रूप में जमने तथा भारी होकर ओलावृष्टि के रूप में पृथ्वी पर गिरने तक ऊपर धकेलती रहती है।

प्रथम एवं द्वितीय बैच फुल | तृतीय बैच में नामांकन जारी | 7428085757/58

08 JUNE 2021

# PT CARD

संस्कृति IAS

## प्राण वायु देवता पेंशन योजना (Pran Vayu Devta Pension Scheme)

- कोविड-19 से पीड़ित रोगियों के लिये आवश्यक ऑक्सीजन की कमी को ध्यान में रखते हुए भविष्य में इस तरह के संकट से बचने के लिये **हरियाणा सरकार ने एक अनोखी तथा अपनी तरह की पहली योजना की शुरूआत** की है।
- इस योजना के तहत राज्य सरकार **75 वर्ष तथा उससे अधिक उम्र के उन सभी पेड़ों को सम्मानित** करेगी, जिन्होंने जीवन भर ऑक्सीजन उत्पादन, प्रदूषण नियंत्रण तथा छाया प्रदान कर मानवता की सेवा की है। स्थानीय लोगों को इस योजना में शामिल करके राज्य भर में ऐसे सभी वृक्षों की पहचान तथा उनकी देखभाल की जाएगी।
- शहरी स्थानीय निकाय विभाग द्वारा 'प्राण वायु देवता पेंशन योजना' के नाम से **75 वर्ष से अधिक पुराने वृक्षों के रख-रखाव, प्लेट, ग्रिल आदि लगाने के लिये प्रति वर्ष 2500 रुपये की 'पेंशन राशि' प्रदान** की जाएगी। राज्य में चल रही वृद्धावस्था सम्मान पेंशन योजना के समान 'वृक्ष पेंशन' की राशि में भी प्रत्येक वर्ष वृद्धि की जाएगी।
- **हरियाणा की 8 लाख हेक्टेयर भूमि के 10% पर ऑक्सी वन स्थापित किये जाएँगे।** ऑक्सी वन अर्थात ऑक्सीजन वन चिह्नित भूमि के टुकड़े हैं, जिन पर 3 करोड़ पेड़ लगाए जाएँगे, इन्हें 5-100 एकड़ ज़मीन पर लगाया जाएगा।

प्रथम एवं द्वितीय बैच फुल | तृतीय बैच में नामांकन जारी | 7428085757/58

09 JUNE 2021

# PT CARD

संस्कृति IAS

## सतत सार्वजनिक खरीद (Sustainable Public Procurement)

- विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने 'सतत सार्वजनिक खरीद' कार्यक्रम के तहत **सरकारी ई-मार्केटप्लेस पर ग्रीन रूम एयर कंडीशनर की एक नई उत्पाद श्रेणी का शुभारंभ** किया है।
- 'सतत सार्वजनिक खरीद' एक ऐसी प्रक्रिया है, जिसके तहत 'सार्वजनिक प्राधिकरण' **परियोजना के सभी चरणों में वस्तुओं, सेवाओं की खरीद करते समय सतत विकास के तीनों आर्थिक, सामाजिक और पर्यावरणीय स्तंभों के मध्य उचित संतुलन प्राप्त करने का प्रयास** करते हैं। इन तीन स्तंभों को 'ट्रिपल बॉटम लाइन' कहा जाता है।
- यह नवाचार सरकारी खरीदारों को वित्तीय बचत प्रदान करने के साथ-साथ **चक्रीय अर्थव्यवस्था की ओर बढ़ते हुए पर्यावरणीय चुनौतियों का सामना करने में सक्षम** बनाएगा। संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम वर्ष 2005 से वैश्विक, राष्ट्रीय एवं क्षेत्रीय स्तर पर सतत सार्वजनिक खरीद को बढ़ावा देने के लिये सक्रिय है।
- भारत में सार्वजनिक खरीद व्यय जी.डी.पी. का लगभग 15-20% है। इतनी व्यापक मात्रा में 'सतत सार्वजनिक खरीद' की शुरुआत से **देश की जलवायु नीति के उद्देश्यों को अधिक पूरक बनाने में मदद** मिलेगी।

प्रथम एवं द्वितीय बैच फुल | तृतीय बैच में नामांकन जारी | 7428085757 / 58

10 JUNE 2021

# PT CARD

संस्कृति IAS

## दिहिंग पटकाई (Dihing Patkai)

- असम सरकार ने **दिहिंग पटकाई को राष्ट्रीय उद्यान के रूप में अधिसूचित** किया है। यह असम घाटी के उष्णकटिबंधीय आर्द्र सदाबहार वनों का अंतिम शेष खंड है, जो **असम का सातवाँ राष्ट्रीय उद्यान** बन गया है।

- यह राष्ट्रीय उद्यान पूर्ववर्ती देहिंग पटकाई वन्यजीव अभयारण्य, जेपोर आरक्षित वन तथा ऊपरी दिहिंग आरक्षित वन के पश्चिमी ब्लॉक को शामिल करता है। वन संरक्षण अधिनियम के तहत डायवर्ट किये गए वन ग्राम क्षेत्र को इस उद्यान क्षेत्र से बाहर रखा गया है, जबकि दिराक तथा बूढी दिहांग नदियों के कुछ हिस्से को इसमें शामिल किया गया है।
- लगभग 234 वर्ग किमी. क्षेत्र में विस्तृत **यह राष्ट्रीय उद्यान पूर्वी असम के डिब्रूगढ़ तथा तिनसुकिया ज़िलों का एक प्रमुख हाथी निवास स्थल** है। यहाँ तितलियों की 310 प्रजातियाँ भी पाई जाती हैं। इस राष्ट्रीय उद्यान में सरीसृप व स्तनधारियों में से प्रत्येक की 47 प्रजातियाँ पाई जाती हैं, जिनमें बाघ तथा क्लाउडेड तेंदुआ शामिल हैं।
- मध्य प्रदेश (12) एवं अंडमान निकोबार द्वीपसमूह (9) के बाद **असम अब तीसरा सबसे अधिक राष्ट्रीय उद्यान वाला राज्य** बन गया है। विदित है की इससे पूर्व पश्चिमी असम के कोकराझार ज़िले में स्थित 'रायमोना राष्ट्रीय उद्यान' को असम का छठा राष्ट्रीय उद्यान घोषित किया गया था।
- असम में पहले से अवस्थित पाँच राष्ट्रीय उद्यान हैं- काजीरंगा, मानस, नामेरी, ओरंग तथा डिब्रू-सैखोवा। इनमें से **काजीरंगा तथा मानस यूनेस्को के विश्व धरोहर स्थलों में शामिल** हैं तथा नामेरी व ओरांग के साथ ये टाइगर रिज़र्व भी हैं।

प्रथम एवं द्वितीय बैच फुल तृतीय बैच में नामांकन जारी 7428085757/58

11 JUNE
2021

# PT CARD

संस्कृति IAS

## सुपरसोनिक ओवरचर विमान (Supersonic Overture Aircraft)

- **यूनाइटेड एयरलाइंस ने डेनवर स्थित स्टार्टअप बूम से वर्ष 2029 तक 15 नए सुपरसोनिक विमानों को खरीदने की घोषणा की है।** ये विमान ध्वनि की गति से तेज़ (1.7 मैक) यात्रा करने की क्षमता से युक्त हैं। ब्रिटिश-फ्रांसीसी विमान 'कॉनकॉर्ड' की अंतिम सुपरसोनिक यात्री उड़ान के लगभग दो दशक बाद यह पहली सुपरसोनिक उड़ान होगी।
- बूम 'शुद्ध-शून्य कार्बन उत्सर्जन' के साथ पर्यावरण अनुकूल विमान का निर्माण करने के लिये प्रतिबद्ध है, **जिसमें 100% 'स्थायी विमानन ईंधन' (Sustainable Aviation Fuel) का उपयोग किया जाएगा।** पुराने सुपरसोनिक वाहन जेट ईंधन के उच्च उपयोग के कारण पर्यावरणीय दृष्टिकोण से अनुकूल नहीं थे।
- **नया सुपरसोनिक 'ओवरचर' विमान विश्व का सबसे तेज़ गति वाला वाणिज्यिक विमान बन जाएगा,** जो वर्तमान विमानों द्वारा यात्रा में लगने वाले समय को आधे से भी कम करने में सक्षम होगा। यह विमान 1,805 किमी. प्रति घंटे की रफ्तार से 65-88 यात्रियों की क्षमता के साथ 4.250 समुद्री मील की दूरी तय करने एवं 60,000 फीट की ऊँचाई तक पहुँचने में सक्षम है। **इसका उद्देश्य 'ज़ीरो ओवरलैंड नॉइज़' अर्थात सुपरसोनिक गति के बाद भी मानव बस्तियों में शांति सुनिश्चित करना है।**
- सुपरसोनिक विमान ध्वनि की गति से तेज़ उड़ान भरने में सक्षम होते हैं। 70 वर्ष से अधिक पुरानी इस तकनीक का उपयोग वर्तमान में वाणिज्यिक उड़ान के लिये किया जा रहा है। वर्ष 1976 में इसकी पहली वाणिज्यिक उड़ान से पूर्व इनका उपयोग पूर्णत: सैन्य उद्देश्यों के लिये किया जाता था।

प्रथम एवं द्वितीय बैच फुल | तृतीय बैच में नामांकन जारी | 7428085757 / 58

12 JUNE 2021

# PT CARD

संस्कृति IAS

## फसल बीमा का 'बीड' मॉडल (Beed Model of Crop Insurance)

- **महाराष्ट्र ने केंद्र सरकार से 'प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना' के 'बीड मॉडल' का राज्यव्यापी कार्यान्वयन करने का आग्रह** किया है। 'बीड' सूखाग्रस्त मराठवाड़ा क्षेत्र में स्थित एक ज़िला है, जो बीमा कंपनियों के लिये चुनौतीपूर्ण बना हुआ है।
- वर्ष 2020 की खरीफ फसल के दौरान राज्य के कृषि विभाग ने इस ज़िले में योजना के कार्यान्वयन के लिये दिशानिर्देशों में बदलाव करने का फैसला किया। **इस योजना को राज्य द्वारा संचालित भारतीय कृषि बीमा कंपनी द्वारा लागू** किया गया है।
- नए दिशानिर्देशों के तहत बीमा कंपनी कुछ चेतावनियों के साथ एकत्र की गई प्रीमियम राशि के 110% का सुरक्षा कवर प्रदान करेगी। **यदि मुआवज़े की राशि प्रदान किये गए सुरक्षा कवर से अधिक होती है, तो अतिरिक्त राशि का भुगतान राज्य सरकार द्वारा** किया जाएगा।
- **सामान्य मौसम में जब किसानों को न्यूनतम हानि होती है, तो राज्य सरकार को प्रीमियम राशि वापस मिलने की उम्मीद** होती है, जिसे आगामी वर्ष में योजना के वित्तपोषण हेतु एक कोष में एकत्र किया जा सकता है।
- बीड मॉडल से बीमा कंपनी के मुनाफे में कमी आने की संभावना है तथा इससे राज्य सरकार की धन के दूसरे स्रोत तक पहुँच होगी। यद्यपि इस मॉडल का किसानों के लिये कोई प्रत्यक्ष लाभ नहीं है।

प्रथम एवं द्वितीय बैच फुल | तृतीय बैच में नामांकन जारी | 7428085757/58

14 JUNE 2021

# PT CARD

संस्कृति IAS

## कृषि यंत्रीकरण पर उप-मिशन
## (Sub-Mission on Agricultural Mechanization-SMAM)

- कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय ने किसानों को सशक्त बनाने के उद्देश्य से 'कृषि यंत्रीकरण पर उप-मिशन' योजना के तहत कृषि मशीनीकरण की विभिन्न गतिविधियों के लिये निधि जारी की है। **इस मिशन की शुरुआत कृषि मंत्रालय द्वारा वर्ष 2014-15 में की गई थी।**
- इसका उद्देश्य **छोटे व सीमांत किसानों तथा उन दुर्गम क्षेत्रों में जहाँ कृषि हेतु विद्युत उपलब्धता कम है, कृषि मशीनीकरण की पहुँच को बढ़ावा देना** है। इस योजना के तहत किसानों के लिये कृषि उपकरण तथा यंत्रों की आसान उपलब्धता सुनिश्चित करने हेतु ग्राम स्तरीय कृषि मशीनरी बैंक, कस्टम हायरिंग सेंटर तथा हाई टेक हब स्थापित करने का प्रस्ताव किया गया है।

- कृषि मशीनीकरण, उपलब्ध कृषि योग्य क्षेत्र की उत्पादकता को अधिकतम करने तथा ग्रामीण युवाओं के मध्य कृषि को अधिक लाभदायक और आकर्षक व्यवसाय बनाने के लिये भूमि, जल, ऊर्जा संसाधन, श्रमबल तथा अन्य इनपुट जैसे बीज, उर्वरक, कीटनाशक आदि के उपयोग को अनुकूलित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।
- यह कृषि क्षेत्र के सतत विकास हेतु प्रमुख चालकों में से एक है। सतत कृषि मशीनीकरण विकास के लिये नवीनतम तकनीक समर्थित उपयुक्त व सटीक कृषि यंत्रों की आवश्यकता होगी।

प्रथम एवं द्वितीय बैच फुल | तृतीय बैच में नामांकन जारी | 7428085757/58

15 JUNE
2 0 2 1

# PT CARD

संस्कृति IAS

## पायरोस्ट्रिया लालजी (Pyrostria laljii)

- जून 2021 में अंडमान एवं निकोबार द्वीपसमूह में कॉफी समूह वर्ग से संबंधित 15 मीटर लंबे एक पेड़ की खोज की गई है। **यह नई प्रजाति भारत में खोजी गई पायरोस्ट्रिया वंश की पहली प्रजाति** है। पाइरोस्ट्रिया वर्ग समूह से संबंधित पौधे सामान्यता मेडागास्कर में पाए जाते हैं।
- भारत में पायरोस्ट्रिया लालजी की **इस प्रजाति को सर्वप्रथम दक्षिणी अंडमान के वंदूर वन में देखा गया** था। इस प्रजाति को अंडमान निकोबार द्वीपसमूह के अन्य क्षेत्रों जैसे- जारवा आरक्षित वन क्षेत्र के तिरूर वन तथा चिड़िया टापू वन में देखा भी जा सकता है।
- यह पेड़ लंबे तने के साथ सफेद परतदार स्कंध तथा फनाकार के तिरछे-मोटे पत्तों के लिये विख्यात है। इस पेड़ पर 8-12 फूलों का छतरीदार पुष्पक्रम इसे इस वंश की अन्य प्रजातियों से अलग करता है।
- पायरोस्ट्रिया लालजी को अंतर्राष्ट्रीय प्रकृति संरक्षण संघ **(IUCN) की रेड लिस्ट में 'गंभीर संकटग्रस्त' (Critically Endangered) की श्रेणी में रखा गया** है।
- भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण के अंडमान निकोबार क्षेत्रीय केंद्र के संयुक्त निदेशक व कार्यालय प्रमुख लाल जी सिंह के नाम पर इस प्रजाति का नाम पायरोस्ट्रिया लालजी रखा गया है।

संस्कृति IAS

प्रथम एवं द्वितीय बैच फुल | तृतीय बैच में नामांकन जारी | 7428085757/58